पत्रिका, भोपाल

5'4 FEB 2017

ब्लॉग

नदियों को बचाने जागरूकता जरूरी

नर्मदा जयंती के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई। हनुवंतिया में मां नर्मदा की पूजा-अर्चना एवं आरती करने के बाद कैबिनेट की बैठक में मध्यप्रदेश के विकास की योजनाओं के संबंध में निर्णय लेकर आध्यात्मिक शांति की अनुभूति हुई है।

नर्मदा नदी भारत की सात प्रमुख नदियों में से एक है। प्राचीन काल से ही नर्मदा की धारा में सामाजिक चेतना देखने को मिलती है। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि आज नमामि देवि नर्मदे-नर्मदा सेवा यात्रा अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। सभी लोग बड़े उत्साह और उमंग के साथ दुनिया के सबसे बड़े नदी संरक्षण अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

मेरे विचार से हमें नदियों के महत्व को समझते हुए पूरी दुनिया में नदियों को बचाने के लिए लोगों को जागरूक करना चाहिए। जिन नदियों के किनारे हमारी प्राचीन सभ्यताएं विकसित हुई हैं, यदि वह नदियां ही स्वच्छ नहीं रहेंगी तो हमारी सभ्यता और संस्कृति के स्वस्थ रहने की कल्पना हम कैसे कर सकते हैं। लंदन की टेम्स नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए वहां के नागरिक आगे आए, उन्होंने उसे दुनिया की सबसे स्वच्छ नदी बना दिया। नर्मदा नदी भारत देश की सबसे कम प्रदूषित नदी है, इसे हम अब और प्रदूषित नहीं होने देंगे। हम निर्मल बनाकर ही दम लेंगे। इसी तरह से पूरी दुनिया में सभी लोगों को नदियों को बचाने के लिए आगे आना चाहिए।

मैं संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस जी को पत्र लिखकर यह अनुरोध करुंगा कि वह पूरी दुनिया में संयुक्त राष्ट्र की अगुवाई में नदियों को संरक्षित और प्रदूषणमुक्त रखने के लिए लोगों को जागरूक करने अभियान चलाएं, हम इसमें उनके साथ हैं।

आइए संकल्प लें कि हम पूरे विश्व में नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लोगों का आह्वान कर एक सुखी, समृद्ध और सुन्दर विश्व का निर्माण करेंगे।

-शिवराज सिंह चौहान

लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री